MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY UDAIPUR-313039

SYLLABUS FOR SCREENING TEST FOR THE POST OF ASSISTANT PROFESSOR

Subject : SANSKRIT

Note: There shall be 100 questions with multiple Choices carrying 100 marks to be completed in 3 hrs duration

इकाई–I : वैदिक साहित्य

देवता :

अग्नि, सवितृ, विष्णु, इन्द्र, रुद्र, बृहस्पति, अश्विनौ, वरुण, उषस्, सोम, पुरुष, हिरण्यगर्भ, नासदीय

विषय वस्तु :

संहिताएँ, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद्

सम्वाद सूक्त :

पुरूरवा–उर्वशी, यम–यमी, सरमा–पणि, विश्वामित्र–नदी

वैदिक साहित्य का इतिहास –

वैदिक काल के विषय में विभिन्न सिद्धान्त–मैक्समूलर, ए. वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम्. विन्टरनिट्ज, भारतीय परम्परागत विचार

ऋग्वेद का क्रम

संहिताओं के पाठ–भेद

वेदांग :

शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरूक्त, छन्द, ज्योतिष

इकाई–II : दर्शन

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका :

प्रमाण, त्रिगुण, सत्कार्यवाद, पुरुष–स्वरुप, पुरूष अस्तित्व व बहुत्व, प्रकृति–स्वरूप, सृष्टिक्रम, प्रत्ययसर्ग, कैवल्य

सदानन्द का वेदान्तसार :

अनुबन्ध–चतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप–अपवाद, लिंगशरीरोत्पत्ति, पंचीकरण, विवर्त्त, जीवनमुक्ति

केशवमिश्र की तर्कभाषा/अन्नंभट्ट का तर्कसंग्रह :

पदार्थ, कारण, प्रमाण–प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, अर्थापत्ति व अभाव का खण्डन

इकाई–III : व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

व्याकरण :

परिभाषाएँ–संहिता, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, प्रगृह्य, सवर्ण, टि, सर्वनाम–स्थान, निष्ठा

कारक : सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

समास : लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

सन्धि : लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

भाषाविज्ञान :

भाषा की परिभाषा एवं प्रकार (परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक)

भाषाओं का वर्गीकरण

भाषा प्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण : स्पर्ष, संघर्षी, अर्धस्वर एवं स्वर

ध्वनि सम्बन्धी नियम

भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थाएँ

इकाई–IV : संस्कृत साहित्य एवं काव्यशास्त्र

निम्नलिखित ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन :

पद्य : रघुवंश, मेघदूत, किरातार्जुनीय, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, बुद्धचरित

गद्य : दशकुमारचरित, हर्षचरित, कादम्बरी

नाटक : स्वप्नवासवदत्ता, अभिज्ञानशाकुन्तल, मृच्छकटिक, उत्तररामचरित, मुद्राराक्षस, रत्नावली, वेणीसंहार

काव्यशास्त्र :

साहित्यदर्पण :

काव्य की परिभाषा

काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन

शब्दशक्ति–संकेतग्रह, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

रस (रस–भेद स्थायी भावों सहित)

रूपक के प्रकार

नाटक के लक्षण

महाकाव्य के लक्षण